

आल्प्स में तेज़ी से पघिल रहे ग्लेशियर

एक नए अध्ययन से पता चला है कि वर्ष 2022 में स्विट्ज़रलैंड के ग्लेशियरों ने औसतन 6.2% बर्फ खो दी।

प्रमुख बंदि

■ सहारन रेत और हीटवेव:

- संपूर्ण आल्प्स में पछिली सर्दियों में बहुत कम हमिपात हुआ था जिसकी वजह से आगामी गर्मी के मौसम में ग्लेशियर के प्रभावित होने की संभावना है।
- वसंत वशेष रूप से चरम था, प्राकृतिक वायुमंडलीय पवन सहारन रेत को यूरोप तक ले गई और अल्पाइन में जमा कर दिया।
- चूँकि बर्फ की तुलना में धूल अधिक सौर ऊर्जा को अवशोषित करती है, इसलिये अब नारंगी रंग की बर्फ तेज़ी से पघिल रही है।
- गर्मी की लहर ने पूरे यूरोप में तापमान का रिकॉर्ड तोड़ दिया, ब्रिटेन के कुछ हिस्सों में पहली बार तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया।
- वर्ष 2003 में हमिनद अत्यधिक तेज़ी से पघिले थे, इस दौरान पूरे स्विट्ज़रलैंड में 3.8% ग्लेशियर पघिल गए थे।

■ अभूतपूर्व आल्प्स ग्लेशियर का पघिलना:

- ग्लेशियर के पघिलने की सीमा उस ऊँचाई पर नरिभर करती है जिस पर यह स्थिति है, ग्लेशियर का ढाल जतिनी तीव्र होगी वह उतना ही अधिक मलबे से ढका होता है।
- स्विट्ज़रलैंड में इन हमिनदों के पघिले जल का उपयोग जल वदियुत के लिये किया जाता है।
 - ऑस्ट्रियाई ग्लेशियर भी वर्ष 2022 में 70 वर्षों की तुलना में अधिक पघिल गए हैं, इसलिये यह स्पष्ट है कि वर्ष 2022 में हमिनद का पघिलना व्यापक रहा है।
- इसका एक परिणाम यह है कि ग्लेशियरों के पघिलने से सूखे की अवधि में कम वर्षा की स्थिति में जल की कमी की पूर्तिकरने के साथ ही देश की ऊर्जा आपूर्ति में भी मदद मिलती है।
- पघिलते ग्लेशियरों के कारण पहाड़ों में 1,000 से अधिक नई झीलें नरिमति हुई हैं।
- इस साल पहली बार परमाफ्रॉस्ट जो चट्टानों को एक साथ बाँधे रखती है पघिल रही है और लगातार चट्टानों का अपरदन हो रहा है।

आल्प्स:

■ वषिय:

- आल्प्स परवत अल्पाइन ऑरोजेनी (परवत-नरिमाण घटना) के दौरान उभरा, यह घटना लगभग 65 मिलियन वर्ष पहले शुरू हुई थी जो मेसोजोइक युग (Mesozoic Era) के पास आने के दौरान घटित हुई।
- आल्प्स ऊबड़-खाबड़ और ऊँची शंकवाकार चोटियों से नरिमति एक वलति परवत शृंखला है।
- यह पश्चिमी यूरोप के भौगोलिक क्षेत्रों में सबसे प्रमुख है। जो लगभग 750 मील लंबी और 125 मील से अधिक चौड़ी है जिसकी सबसे ज़्यादा चौड़ाई जर्मनी के गार्मशि-पार्टेनकरिचेन क्षेत्र तथा वेरोना, इटली के मध्य है, आल्प्स परवत शृंखला 80000 वर्ग मील से अधिक के क्षेत्र को कवर करती है।
- आल्प्स परवत शृंखला पूरब, उत्तर-पूरव में वरिना, ऑस्ट्रिया की ओर मुड़ने से पहले उत्तर में नीस, फ्रांस के पास उपोष्णकटिबंधीय भूमध्यसागरीय तट से जनिवा झील तक फैली हुई है जहाँ यह डेन्यूब नदी (Danube River) को छूते हुए उससे लगे मैदानी भागों में मलि जाती है।
- अपने चापाकार आकार के कारण आल्प्स यूरोप के पश्चिमी समुद्री तट की जलवायु को फ्रांस, इटली और बालकन क्षेत्र (Balkan Region) के भूमध्यसागरीय क्षेत्रों से अलग करता है।

■ संबंधित देश:

- आल्प्स फ्रांस, इटली, स्विट्ज़रलैंड, जर्मनी, ऑस्ट्रिया, स्लोवेनिया, क्रोएशिया, बोस्निया और हर्जेगोविना, मॉन्टेनेग्रो, सर्बिया तथा अल्बानिया का हिस्सा है।
- केवल स्विट्ज़रलैंड तथा ऑस्ट्रिया को ही 'दरू अल्पाइन' देश माना जा सकता है।

■ महत्त्वपूर्ण चोटियाँ:

- 'मोंट ब्लांक' (Mont Blanc) आल्प्स और यूरोप की सबसे ऊँची चोटी है जो समुद्र तल से 4,804 मीटर की ऊँचाई पर स्थिति है। यह ग्रैयन आल्प्स में फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड और इटली में स्थिति है।
- मोंटे रोज़ा (Monte Rosa) एक 'मैसफि' (पहाड़ों का एक संयुक्त समूह) है, जिसमें कई चोटियाँ हैं। इस श्रेणी की सबसे ऊँची चोटी

डुफोरस्पिज़ (Dufourspitze) की ऊँचाई 4,634 मीटर है, जिसके स्वट्ज़रलैंड की सबसे ऊँची चोटी होने का दावा किया जाता है।

- डोम जो मोटे रोजा के पास स्थित है, 4,545 मीटर की ऊँचाई पर स्थित है और इसे अपने सीधे मार्गों के कारण आल्प्स में 'सुगम' ऊँची चोटियों में से एक के रूप में जाना जाता है।
- अन्य प्रमुख चोटियाँ लस्किम, वीशोर्न, मैटरहॉर्न, डेंट ब्लैच, ग्रैंड कॉम्बनि आदि हैं।



UPSC सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. हिमालय के ग्लेशियरों के पघिलने का भारत के जल संसाधनों पर दूरगामी प्रभाव कैसे होगा? (2020)

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/glaciers-in-the-alps-are-melting-faster-than-ever>